

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य भारत जल्दबाजी में या बंदूक की नोक पर व्यापार समझौते नहीं

पाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक नोंक पर व्यापार समझौते नहीं करता, बर्लिन में गोयल की दो टूक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोच्चि में सेंट टेरेसा कॉलेज के शताब्दी समारोह में कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की सक्रिय भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने केरल को लैंगिक समानता का उदाहरण बताया और कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना ही भारत की असली ताकत है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश तभी अपनी जनसंख्या शक्ति का पूरा लाभ उठा सकेगा,

संक्षिप्त समाचार

30 वर्ष बाद बढ़ेगे पी डब्ल्यू डी अधिकारियों के वित्तीय अधिकार, जानें अब कैसे होगा काम

मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार, मुख्य अभियंता को अब 2 करोड़ के स्थान पर 10 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार होगा। अधीक्षण अभियंता को 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार दिया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया है। कहा कि बदलावों से विभागीय अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी।उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटने से निविदा, अनुबंध गठन एवं कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा।शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की बैठक में यह तथ्य सामने आया कि विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार वर्ष 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इम्प्लेशन इंडेक्स के अनुसार वर्ष 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक- मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सके।



जब महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाएं। राष्ट्रपति मुर्मू कोच्चि में सेंट टेरेसा कॉलेज के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला समाज न केवल अधिक संवेदनशील होगा बल्कि अधिक दक्ष भी साबित होगा।महिलाओं की भागीदारी पर जोर राष्ट्रपति मुर्मू ने बताया कि पिछले दस वर्षों में जेंडर बजट आवंटन साढ़े चार गुना बढ़ा है और महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) की संख्या 2011 से 2024 के बीच लगभग दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा, %विकसित भारत 2047 के विजन को पूरा करने के प्रमुख स्तंभों में से एक है 70 प्रतिशत महिला कार्यबल की भागीदारी सुनिश्चित करना। कई सामाजिक और आर्थिक वर्गों की महिलाएं

आज भारत की प्रगति की प्रेरक शक्ति बन चुकी हैं। राष्ट्रपति ने दी केरल की मिसाल- राष्ट्रपति ने कहा कि केरल का लैंगिक अनुपात देश में सबसे बेहतर है, और इसे अन्य राज्यों की तरफ से अपनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता से पहले ही केरल की महिलाओं ने देश के संविधान निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उन्होंने बताया कि केरल की तीन महिलाएं- अम्मू स्वामीनाथन, एनी मास्करेन और दक्षायनी वेलायुधन- संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों में शामिल थीं। इन तीनों ने मौलिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता जैसे अहम मुद्दों पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने आगे कहा, %जैसा कि अम्मू स्वामीनाथन ने कल्पना की थी, आज यह देखकर खुशी होती है कि भारतीय महिलाएं

राष्ट्र-निर्माण में प्रमुख जिम्मेदारियां निभा रही हैं। केरल की अग्रणी महिला शख्सियतें- राष्ट्रपति ने केरल की उन महिलाओं का भी उल्लेख किया जिन्होंने देश के न्यायिक इतिहास में नई राहें खोलीं। उन्होंने कहा, भारत की पहली महिला हाई कोर्ट जज न्यायमूर्ति अन्ना चांडी थीं। वहीं न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीबी ने 1989 में सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला जज बनकर इतिहास रचा।% कॉलेज की सराहना - राष्ट्रपति मुर्मू ने सेंट टेरेसा कॉलेज की छात्राओं को युवा, जीवंत और उभरते भारत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कॉलेज की पूर्व छात्राएं देश के विकास में सकारात्मक योगदान दे रही हैं। राष्ट्रपति ने कॉलेज की समुदाय सेवा पहलों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, %यह जानकर

खुशी हुई कि कॉलेज समुदाय सादगी से जीवन जीने और वंचितों की सेवा में विश्वास रखता है। बाढ़ राहत शिविरों में छात्राओं की निस्वार्थ सेवा वास्तव में प्रेरणादायक है।% शिक्षा और सतत विकास पर जोर- इस दौरान राष्ट्रपति ने कॉलेज की तरफ से शुरू किए गए शिक्षा के माध्यम से स्थिरता, नेतृत्व और एजेंसी- एसएलएटीई (स्लेट) प्रोजेक्ट की सराहना की, जिसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से सतत विकास, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से कॉलेज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कॉलेज के रैंडियो कोच्चि 90 एफएम जैसे सामुदायिक संचार प्रयासों की भी तारीफ की, जो स्थानीय स्तर पर लोगों की भागीदारी बढ़ाने का माध्यम बने हैं।युवतियों के लिए राष्ट्रपति का संदेश- राष्ट्रपति ने छात्राओं से कहा कि वे अपने जीवन के फैसले साहस और स्पष्टता के साथ लें, और ऐसे रास्ते चुनें जो उनके जुनून और क्षमता को अभिव्यक्त करें। उन्होंने कहा, %महिला नेतृत्व वाला समाज अधिक मानवीय और प्रभावी होता है।मुझे उम्मीद है कि आप सभी अपने कार्यक्षेत्रों में महिला-नेतृत्व वाले विकास की शक्ति को प्रदर्शित करेंगी।

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या सिर पर बंदूक तानकर व्यापार समझौते नहीं करता। उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित अन्य देशों व क्षेत्रों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या बंदूक की नोक पर व्यापार समझौते नहीं करता। उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित अन्य देशों व क्षेत्रों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है।जर्मनी में आयोजित बर्लिन डायलॉग के दौरान बोलते हुए पीयूष गोयल ने कहा कहा, हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से बात कर रहे हैं, लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही हम कोई समय सीमा तय करके या बंदूक की नोक पर कोई समझौता करते हैं।बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में बोलते हुए पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार समझौते केवल टैरिफ या बाजार पहुंच के बारे में नहीं हैं, बल्कि विश्वास, दीर्घकालिक संबंधों का



निर्माण करने और वैश्विक व्यापार सहयोग के लिए स्थायी ढांचे का निर्माण करने के बारे में हैं। भारत यूरोपीय संघ के साथ लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, जिसमें बाजार पहुंच, पर्यावरण मानकों और उत्पत्ति के नियमों पर मतभेद बने हुए हैं। गोयल ने कहा है कि नई दिल्ली व्यापार समझौतों में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएगी। उन्होंने कहा, भारत जल्दबाजी में किसी भी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। पीयूष गोयल डॉयलॉग में भाग लेने के लिए फिलहाल बर्लिन में हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते को दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कभी

भी जल्दबाजी में या तात्कालिक आवेश में निर्णय नहीं लेता। उन्होंने कहा कि भारत जरूरत से अधिक टैरिफ से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है। गोयल ने कहा, %मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे... और यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, यह स्वीकार्य नहीं है। ये टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है।

अमित शाह-भजनलाल शर्मा ने जवानों को दी बधाई, हिमवीरों के साहस और समर्पण की सराहना की

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का 64वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा ने जवानों को बधाई दी। अमित शाह ने कठिन पहाड़ी और कठोर जलवायु में देश की रक्षा के लिए आईटीबीपी के साहस और समर्पण की सराहना की।आज भारत और तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का 64वां स्थापना दिवस है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को आईटीबीपी के 64वें स्थापना दिवस पर जवानों को बधाई दी। शाह ने 'हिमवीरों' की कठिन पहाड़ी और कठोर जलवायु में देश की रक्षा के लिए अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी ने साहस और प्रतिबद्धता में शानदार मिसाल कायम की है और जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उन्हें नमन किया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट आईटीबीपी के साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी ने साहस और प्रतिबद्धता में शानदार मिसाल कायम की है और जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उन्हें नमन किया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आईटीबीपी के जवानों के साहस और समर्पण की तारीफ की। साथ ही कहा कि उन्होंने शानदार मिसालें कायम की हैं और देश के लिए अपनी जान देने वाले जवानों को



श्रद्धांजलि दी।राजस्थान के सीएम ने भी दी बधाई।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट आईटीबीपी जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी आईटीबीपी के जवानों की निष्ठा, अनुशासन और अदम्य साहस देश के लिए गर्व का विषय है। बता दें कि आईटीबीपी का गठन 24 अक्टूबर 1962 को हुआ था। वर्तमान में यह बल भारत-चीन सीमा की 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा की सुरक्षा करता है, जो लद्दाख के कराकोरम पास से अरुणाचल प्रदेश के जाचेप ला तक फैली हुई है। इसके अलावा, आईटीबीपी आंतरिक सुरक्षा और छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियानों में भी सक्रिय है।19000-18000 फीट पर स्थित हैं आईटीबीपी की चौकियां आईटीबीपी के अधिकांश चौकियां 9,000 से 18,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं, जहां सर्दियों में तापमान -45 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है।

पीएम मोदी समस्तीपुर में बोले- अब लालटेन की जरूरत नहीं है, जंगलराज को दूर रखेगा बिहार



सरकार।एनडीए सरकार जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रेरणापुंज मानती है% पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रेरणापुंज मानती है। हमलोग गरीबों की सेवा में लगे हैं। आप बताइए गरीबों को पक्का घर, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज, शौचालय, नल का जल और सम्मान का जीवन जीने के लिए हर तरह की सुविधा देना क्या उनकी सेवा नहीं है? एनडीए सरकार कर्पूरी ठाकुर की विचारधारा को सुशासन का आधार बनाया है। हमने गरीब, दलित, पिछड़े और अति पिछड़ों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने लालू परिवार हमला बोला - पीएम मोदी ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। कहा कि इन्होंने क्या किया है? यह मुझे

आपको बताने की जरूरत नहीं है। यह लोग हजारों करोड़ के घोटाले के मामले में जमानत पर चल रहे हैं। इन्होंने तो जननायक की उपाधि भी चोरी कर ली है। लेकिन, बिहार के लोग इसे बदंशत नहीं करेंगे। इन लोगों ने बिहार के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा- राजद वाले 10 साल तक बदला लेते रहे- पीएम मोदी ने एनडीए के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एनडीए का मतलब सुशासन, जनता की सेवा और विकास है। आपका उत्साह देखकर लगता है कि बिहार इस बार एनडीए को अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा। 2005 का अक्टूबर महीना ही था, जब बिहार ने जंगलराज से मुक्ति पाई

थी। नीतीश कुमार ने नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरू हुआ था। लेकिन, 10 साल तक कांग्रेस और राजद की सरकार रही। यूपीए सरकार ने बिहार को नुकसान पहुंचाने में कोई कमी नहीं रखी। राजद वाले आपलोगों से दस साल तक बदला लेते रहे कि आपलोगों ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री क्यों बनाया? राजद वाले कांग्रेस को धमकाते थे कि अगर बिहार में नीतीश कुमार की कोई बात मानी, बिहार में कोई प्रोजेक्ट शुरू किया तो हमलोग आपसे समर्थन वापस ले लेंगे। राजद वालों ने बिहार का विकास नहीं होने दिया। नीतीश कुमार ने दिन-रात बिहार के लिए काम करते रहे। बिहार को बड़ी मुसीबत से बाहर निकाला। आज बिहार का ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विकास का कोई न हुआ हो। आप कहीं भी चले जाइए, वहां कोई न कोई विकास का काम चलता दिखाई देगा। पीएम मोदी ने पूछा- आपको लालटेन की जरूरत है क्या?- पीएम नरेंद्र मोदी ने जनसभा में आए लोगों से मोबाइल की लाइट जलाने के लिए कहा। इसके बाद जब लोग मोबाइल

का लाइट जलाकर खड़े हुए तो पीएम मोदी ने कहा कि जब इतनी लाइटें हैं तो आपको लालटेन की जरूरत है क्या? बिहार में अब लालटेन की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भारत में सबसे ज्यादा सस्ता इंटरनेट उपलब्ध है। एक कप चाय जितनी कीमत में एक जीबी डाटा उपलब्ध हो जाता है। बिहार के युवा इंटरनेट के माध्यम से अच्छी कमाई भी करते हैं। मिथिला का यह क्षेत्र खेती, मछलीपालन और पशुपालन के लिए जाना जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार को पहले दूसरे राज्यों से मछली मंगवानी पड़ती थी लेकिन आज बिहार दूसरे राज्यों को मछली भेजता है। राजद- कांग्रेस वाले रोज नए-नए झूठ बोल रहे हैं पीएम मोदी ने कहा कि छोटे किसानों को कोई सरकारी नहीं मिलती थी। बैंकों का दरवाजा बंद था। लेकिन, पहली बार एनडीए सरकार ने किसानों के लिए बैंकों के दरवाजे खोले। बिहार के छोटे किसानों के खाते में 28 हजार करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि योजना के लिए जरिए जमा किए गए।

संपादकीय Editorial

On the Layers of Debris

Responding to the need for a scientific policy on dumping and implementing a court order, Himachal Pradesh has formed a high-level committee of several departments. Debris has become explosive in nature, and this Y-product of reconstruction has become a demon. In fact, if we consider the appearance of debris before disasters and construction, we have accumulated tons of our own waste. Every cause of natural and seasonal disasters lies in layers of debris. It's not that debris can't be used or that its proper use can't lead to new discoveries, but in the last three decades, or rather, since the advent of earth-mining machines, we have made it a source of our own trouble. Debris is flooding the basins of power projects and large dams, causing water to surge. Encroachment by human activities is obstructing natural drainage. Debris left behind by faulty urban and rural development has created numerous graveyards, while improper water supply and sewerage systems have dug the foundations of surrounding debris. It's not that all the debris is being generated by development. Pine trees, which have been grown by trampling the grass, shrubs, and vegetation that grow locally, have turned the land into a ravine. If the forest department removes the constantly falling trees and directs forest drainage, it will at least reduce the resulting "debris hunting." Undoubtedly, the PWD department, under the chairmanship of the committee, will have to refrain from dumping debris along its roads or allowing it to slide into deep ditches or rivers in an attempt to open every blocked road. The various departments digging roads are equally guilty, but if the concerned departments do not establish a practice of controlling the activities of rural and urban communities, all settlements will one day be reduced to rubble. All public representatives who shy away from the TCP Act must be told that when areas are freed from the restrictions of an urban development plan or green belt, indiscriminate construction alters the natural and geographical conditions, leaving behind debris. The debris that has fallen in Mandi, Manali, McLeodganj, Solan, Shimla, Naina Devi, and other cities during this rainy season should be blamed on urban development plans. If urban bodies, especially municipal corporations, do not clarify the standards for construction permits, every building will one day become rubble. However, the subcommittee must evaluate dumping and find a scientific solution. Let us clarify here that any concept of creating new dumping grounds or new ones from dumping grounds will only be addressed through forest land. The state needs land banks, dumping sites, drainage, and future-ready planning. By changing the land demand, all development needs will be met from the forest. If debris dumping is planned, it will not only reduce natural degradation in every city and village, but will also create new potential for playgrounds, parking spaces, expanding pastures, embanking ditches and drains, and developing land banks. Now, before development, it is necessary to strengthen dumping routes and ensure water management for new buildings, along with natural drainage.

Daughters' education is changing their fates, a pivotal moment in the country's shifting cultural mindset

With the visible progress in women's education, we can be optimistic about the future, as the changes initiated under Prime Minister Modi's leadership will gain further momentum. This will shape a society where every girl has equal opportunities to learn, grow, and succeed. This is not only necessary but also essential, because when you educate a girl, you elevate the entire society. At an event in Dwarka, Gujarat, Narendra Modi asked how many women had studied beyond the fifth grade. He was surprised to find that most elderly women raised their hands. When asked why, they explained that during the Gaekwad era, fathers who failed to educate their daughters were fined. At that time, rules were strictly enforced. This is why many mothers-in-law are educated, but their daughters-in-law remain uneducated. This example highlights the stark truth: good intentions alone are not enough; accountability, leadership, and policies are also essential. This is the change we are witnessing in India under Modi's leadership. This change is not about laws and regulations, but about changing mindsets. This change isn't limited to girls going to school, but rather about transforming the foundations of Indian society, its health, economy, and demographics, so that girls can become the most powerful agents of change, and this is only possible through education. While serving as Chief Minister of Gujarat, Modi realized that problems like female foeticide and girls' illiteracy couldn't be solved by laws alone. To achieve this, public mindsets needed to change, along with providing better facilities and incentives. The Kanya Kelavani campaign, launched in 2003, became a vehicle for this change. This campaign raised awareness about the importance of girls' education and addressed the major problem of separate toilets for girls in schools. Due to the lack of toilets, many girls dropped out of school in their teens. The results of this scheme were very positive. Gujarat's female literacy rate, once below the national average, rose to 70 percent. The national average at that time was 64 percent. The biggest achievement was that the dropout rate among girls in the targeted districts decreased by 90 percent. Modi did not allow this policy to remain merely a government scheme, but transformed it into a mass movement. He raised ₹19 crore for girls' education by auctioning gifts received at public events and personally contributed ₹21 lakh. These efforts sent a strong message that educating girls is not just the government's responsibility, but the responsibility of the entire society. Inspired by Gujarat's success, the Beti Bachao, Beti Padhao campaign was launched nationwide in 2015 with two objectives: to prevent female foeticide and to promote girl child education. Initially, the scheme was implemented in 100 districts with the worst sex ratio. Later, it was implemented nationwide. This scheme had a direct impact on improving the sex ratio. The number of girls per 1,000 boys increased from 919 in 2015 to 929 by 2019-21. The improvement in the sex ratio is just one aspect of this picture. A major shift is taking place through education. Educating daughters facilitates many positive changes. Educated women generally marry later and have fewer children. India's total fertility rate (TFR) has now reached 2.0, which is below the level necessary to stabilize the population. This change is directly linked to women's increasing education and participation in the workforce. Educated women also take more careful care during pregnancy and childbirth. The decline in female infant mortality confirms this trend. While some challenges remain regarding women's participation in the working population, their numbers are increasing in sectors such as health, education, science and technology, and entrepreneurship—areas where education and skills are of paramount importance. Women are now occupying positions ranging from military officers to CEOs of tech startups, positions that even their close relatives never imagined. Studies show that children of educated mothers perform better academically and have better health. This is a positive cycle of empowerment that impacts every generation. According to a recent survey in Madhya Pradesh, 89.5 percent of people are aware of the Beti Bachao, Beti Padhao scheme, and 63.2 percent say the scheme inspired them to send their daughters to school. There's also growing support in society for postponing early marriage and promoting girls' higher education. These trends reflect a shift in mindsets that once prevented girls from attending school altogether. The promotion of girls' education and the progress made so far represent a significant moment in the development of our society and the changing cultural mindset across the country. This change is profound and lasting, enabled by well-designed and effective policies to empower young women. The long-term impact of these initiatives will be even more pronounced as this positive cycle improves not only individual lives but entire communities. Today's educated girls are not just students; they are tomorrow's potential leaders, policymakers, and change agents. Educated girls have the potential to contribute to family income and raise children in the future. Investing in education is also more likely. With the visible progress in women's education, we can be optimistic that the changes initiated under Prime Minister Modi's leadership will gain further momentum. This will shape a society where every girl has equal opportunities to learn, grow, and succeed. This is not only necessary but also essential, because when you educate a girl, you advance the entire society.

A major obstacle to becoming a developed country is the rampant corruption within the government machinery.

It's uncertain whether these two will face harsh punishment. While being taken to jail, Bhullar stated that he was confident the court would deliver justice. It's unknown what Riten Kumar Singh said, but it wouldn't be surprising if he, too, expressed confidence in the courts. Not only has the country witnessed the Delhi High Court judge, whose residence was found with half-burnt notes worth crores, technically still holds office. While corruption within the government machinery is far from eradicated, it also shows no signs of being controlled in our country. Shocking and disturbing examples of this continue to emerge. The latest example is the arrest of Harcharan Singh Bhullar, DIG of the Ropar Range in Punjab. Bhullar was arrested for demanding a bribe of eight lakh rupees from a scrap dealer. The broker he hired to collect the bribe was also arrested. According to reports, the DIG was demanding a monthly bribe of eight lakh rupees from the scrap dealer. After his arrest, the CBI raided several of his locations in cities like Mohali and Ambala, seizing ₹7.5 crore in cash and 2.5 kg of gold. Documents to more than 50 properties, including a Mercedes and an Audi, were also recovered. It's difficult to determine how much wealth he may have amassed through he has in his bank accounts and released. What can be easily said is abandon, and no one seemed to stop father had served as the DGP of only officer who misused his That's simply not true. He's not the corruption. Every month or two, billions of rupees of black money Bhullar's arrest, the CBI arrested M. and Regional Officer of the National Corporation Limited in Guwahati, found in possession of Rs. 2.62 crore he owned nine luxury flats, a premium office space, and three residential plots in Delhi-NCR. He also owned a flat in Bengaluru, four flats, two plots in Guwahati, two plots, and agricultural land in Imphal. Nine expensive vehicles were also found. The CBI suspects that many of his properties are held in benami. He was accepting a bribe of Rs. 10 lakh in exchange for extending the deadline for work on National Highway 37 and issuing a completion certificate. Now you can better understand why substandard construction prevails in our country and why roads, bridges, and other structures collapse shortly after completion. This is because wherever there is any kind of construction, there is corruption. Similarly, wherever there is any kind of government permission, approval, inspection, testing, certification, renewal, etc., there is transactional involvement. In some cases, rates are fixed. In our country, even legitimate work is done through illegal means, i.e., for money. This degrades the quality of government work and leads to disregard for rules and regulations. This leads to chaos, increased discontent, and stalled national progress. This is why India's dream of becoming developed is difficult to achieve. After all, how can this goal be achieved when the very system that should be instrumental in developing the country becomes an obstacle? An example of how corrupt government systems are harming and tarnishing the country's reputation was recently revealed in the deaths of more than 25 children from toxic cough syrup. Initial investigations revealed that the process, from drug manufacturing to testing, was marred by negligence. It should not be difficult for anyone to understand that corruption must be at the root of this negligence. When the toxic cup syrup issue surfaced, reports of large-scale seizures of counterfeit and adulterated khoya, sweets, and other samples were pouring in from across the country. Just because such reports surface during major festivals doesn't mean that counterfeit and adulterated food items aren't manufactured and sold during other festivals. In reality, this practice occurs all the time. Corruption in the government system exists because our average leaders are corrupt, ranging from councillors to ministers. Governments claim to follow a zero-tolerance policy against corruption. If such a policy truly existed, could officials like Harcharan Singh Bhullar and Riten Kumar Singh have amassed vast wealth? Both officials were sent to jail and suspended. It's uncertain whether they will face harsh punishment. While being taken to jail, Bhullar said he was confident the court would deliver justice. It's unknown what Riten Kumar Singh said, but it wouldn't be surprising if he, too, expressed confidence in the courts. Not because the country saw that the Delhi High Court judge, at whose residence half-burnt notes worth crores were found, is technically still a judge.



corruption, as details of how much money what's stashed in his lockers have yet to be that he was amassing wealth with him. He came from a wealthy family. His Punjab. Can it be said that Bhullar is the authority and engaged in corruption? first officer to be found involved in corrupt officers emerge, with millions and recovered from them. Just a day after Riten Kumar Singh, Executive Director Highways and Infrastructure Development for accepting a bribe of Rs. 10 lakh. He was in cash. Furthermore, it was discovered that

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यु न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

**प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ
शुभकामना सन्देश (Birthday,
anniversary, any kind of
message) कम कीमत में विज्ञापन
छपवाए - 9027776991**

संक्षिप्त समाचार

मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस पर एक और मुकदमा दर्ज, पत्नी भी आरोपी

**प्राचीनतम श्री सनातन धर्म मंदिर में 31
से होगा तनाव से मुक्ति पर व्याख्यान**

व्यूँ न लिरखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मॉडल टाउन के सबसे प्राचीन श्री सनातन धर्म मंदिर में 11 दिवसीय कार्तिक महोत्सव का शुभारंभ रविवार से शुरू होगा। पत्रकारों से वार्ता के दौरान यह जानकारी मंदिर प्रबंध समिति के सचिव संजीव चांदना ने दी। उन्होंने बताया कि मानस सेवा समिति के संस्थापक डॉ बृजेश यादव कल शाम को 6-00 बजे संगीतमय संदरकांड पाठ को अर्थ

सहित सुनाएंगे। 27 और 28 अक्टूबर को हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि वृंदावन धाम के महावीर शर्मा द्वारा एक शाम श्री बांके बिहारी जी के नाम से भक्ति रसकी रसधारा प्रवाहित की जाएगी। 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक दिल्ली के मनीष चौहान द्वारा मानस चिंतन करते हुए तनाव से मुक्ति प्र व्याख्यान दिया जाएगा। 4 नवंबर को एक शाम खादू बाबा के नाम का भक्तजन आनंद लेंगे। 5 नवंबर को धार्मिक सेवा समिति द्वारा संकीर्तन के साथ ही साथ, भंडारे का आयोजन किया जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान समिति के अध्यक्ष कवल नयन सपरा, तिलक राज दुसेजा, डॉ के एम अरोड़ा, राकेशनरूला, रजनीश चांदना, बृजमोहन कक्कड़, जनक राज अरोड़ा, उमेश धमीजा, सुनील बांगा, अमित पाल, पुनीत अरोड़ा, पवन चांदना, संजीव मुखर्जी, विशाल भसीन, अजय अरोड़ा, मनमोहन सभरवाल शामिल रहे।

रजिस्ट्री कार्यालयों की जिम्मेदारी अब पर्व सैनिकों के हाथों में

क्यों न लियँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश में पहली बार रजिस्ट्री दफ्तरों में सुरक्षा गार्ड के रूप में भूतपूर्व सैनिकों और होमगार्ड की तैनाती की जाएगी। अभी तक करोड़ों रुपये के लेन-देन के बाद भी रजिस्ट्री दफ्तरों में सुरक्षा प्रहरी तैनात नहीं रहते थे। प्रमुख सचिव अमित गुप्ता ने शुक्रवार को भूतपूर्व सैनिकों और होमगार्ड की तैनाती का आदेश जारी कर दिया। एआईजी तेज सिंह यादव ने बताया कि उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा के लिए यह फैसला किया गया है। शासनादेश के अनुरूप भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से सुरक्षा गार्डों और पर्यवेक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी तैनाती से कार्यालय परिसर में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार होगा। आकस्मिक परिस्थितियों में यह लोग त्वरित निर्णय लेने में सक्षम हैं। इनके आने से भ्रष्टाचार व अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण लग सकेगा। पोर्टल के चलते दिन भर प्रभावित रही रजिस्ट्री पोर्टल के चलते शुक्रवार को भी दिन भर लोग रजिस्ट्री कराने के लिए परेशान होते रहे। बार-बार लोग रजिस्ट्री के लिए परेशान होते रहे मगर पोर्टल नहीं चलने के कारण रजिस्ट्री रुक-रुक कर हो रही थी।

ट्रक की टक्कर से सास और नवासे की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
की टक्कर से भाई
दूज मनाकर बाइक
से दामाद के साथ
मायके से घर लौट
रही महिला और
उसके नवासे की
मौत मौत हो गई।
जबकि बाइक
चला रहा दामाद
घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन समेत फरार
हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज
दिया है। देवरनियाँ थाना क्षेत्र के पिपरा नानकार की रहने वाली
50 वर्षीय महिला मुन्नी देवी पत्नी रतनलाल अपने दामाद कंधई
लाल निवासी डंडिया नगला के साथ बाइक से अपने मायके
पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद के गांव रमपुरा से भाई दूज
मनाकर घर लौट रही थीं।

कृषि / पं संत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किसान भवन की हर महीने के तीसरे बुधवार को आयोजित होने वाला किसान दिवस इस बार 15 अक्टूबर में किसान दिवस को बरेली और मुरादाबाद मंडल की संयुक्त की तिथि निर्धारित की गई थी लेकिन शासन से जारी हुए निर्देश के क्रम में आज 24 अक्टूबर को विशेष रूप से किसान दिवस का आयोजन के किसान दिवसों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के समस्याओं का निस्तारण हो गया था उससे संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता के साथ निस्तारण करने के समस्याओं को भी सुनकर सम्बंधित विभाग के जिलाधिकारी ने निर्देश दिये यदि कोई शिकायत किसी कर लें कि यह हमसे संबंधित नहीं है बल्कि जिस से भी अवगत कराएं। उन्होंने निर्देश दिये कि किसान एवं उनके पास जाकर किया जाये, कुछ समस्याओं का अधिकारीगण स्वयं बात कर समस्याओं का शीघ्र निस्तारण गया कि सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेको योजनाएं अनुदान पर कृषि यंत्रों, खाद, बीज की उपलब्धता, खरीद करना, खेत तालाब योजना, कृषक दुर्घटना बीमा मृत्यु होने की दशा में परिवार को पांच लाख रु० की सहायता राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा की सभी किसान भाई जागरूक बने उनके संबंध में अवगत कराया गया कि तहसील बहेड़ी स्थित शुगर मिल का गन्ना मूल्य भुगतान न किये जाने के कारण 33 प्रतिशत गन्ना क्षेत्र प्रतिशत गन्ना क्षेत्र काट दिया गया है, किसान भाइयों के अवशेष बकाया हेतु आर. सी. जारी की गयी है और मिल मालिकों सहित संबंधित किसानों को भुगतान कराया जायेगा। किसान दिवस में कृषक एम पी सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि उनके गांव में शवदा अन्य किसान बंधु द्वारा अवगत कराया गया कि गरीबपुरा से बहेड़ी तक रोड कि स्थिति खराब है, जिस पर अधिशासी अभियंता लोनिवि द्वारा हेतु शासन को प्रस्ताव भेजना गया है शीघ्र ही कार्य कराया जायेगा। बैठक में अवगत कराया गया कि पशुओं के संरक्षण हेतु कि संख्या द्वारा का संरक्षण किया जा सके साथ ही अपील कि गयी कि कृषक बंधु पालतू पशुओं को दिन के समय इधर उधर ना छोड़े। किसान भाईयों बताया गया कि सेटेलाइट के माध्यम से निगरानी कि जा रही है यदि किसी के खेत में पराली ज ती हुई पायी गयी तो जुर्माना लगाया जायेगा। हानिकारक है, बल्कि इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है साथ ही जमीन कि उर्वरा शक्ति उपयोग अन्य कार्यों में करें जैसे खाद बनाने या पशुओं हेतु। किसान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्या, मुख्य विकास अधिकारी विभाग, उद्यान विभाग, नलकूप विभाग, गन्ना विभाग, लोक निर्माण विभाग, लिड बैंक अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित

सम्बन्ध में विस्तार से बिन्दुवार जानकारी ली और जिन किसानों को अवगत कराया गया, अवशेष प्रकरणों में निर्देश दिये गए। आज किसान दिवस में आए किसानों की अधिकारियों को त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिये गए। विभाग से संबंधित हो है तो मात्र यह लिख कर इति श्री ना विभाग से संबंधित उसे शिकायत भेजे और फोन के माध्यम दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण कृषकों से वार्ता कर निस्तारण शासन स्तर से किया जाना है, जिसके संबंध में करें। जिलाधिकारी द्वारा किसान भाइयों को अवगत कराया संचालित कि जा रही है जैसे- कृषक फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, एम एस पी पर कृषकों की फसलों की योजना जिसके अंतर्गत किसी भी किसान भाई की दुर्घटना में इन योजनाओं का लाभ लें। किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान काट दिया गया है और इसी प्रकार नवाबगंज चीनी मिल का त अधिकारियों पर एफआईआर भी दर्ज कारायी गयी है, शीघ्र गृह को जाने वाला मार्ग खराब है, उसे ठीक करा दिया जाये। अवगत कराया गया कि 16 किमी मार्ग खराब जिसके निर्माण ये पशु आश्रय बनाये जा रहे है, जिससे और अधिक पशुओं पराली को खेतों में ना जलाने कि भी अपील कि गयी और उन्होंने बताया कि पराली जलाना न केवल पर्यावरण के लिए गृह हो जाती है। इसलिये पराली को जलाने के बजाय उसका देवयानी, उप निदेशक कृषि अमरपाल, विद्युत विभाग, सिंचाई नपद के प्रगतिशील कृषकगण उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यों न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए

9027776991
knslslive@gmail.com

उर्वरक न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रबी फसलों में प्रयोग हेतु जनपद के समस्त विकास खण्डों में सहकारी समितियों, अन्य व निजी क्षेत्र के उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरक जैसे यूरिया 5,56,355 बैग (25036 गैटन), डी0ए0पी0 98,800 बैग (4940 मै0टन), एन0पी0 के0 2,01,200 बैग (10060 मै0टन), एम0ओ0पी0 36520 बैग (1826 मै0टन) व सिंगल सुपर फास्फेट 71,780 बैग (3589 मै0टन) उपलब्ध है जो वर्तमान समय के लिये पर्याप्त है। माह अक्टूबर 2025 तक के लक्ष्य के सापेक्ष सभी उर्वरकों अधिक मात्रा में उपलब्ध है वर्तमान में यूरिया का लक्ष्य 3974 व उपलब्धता 26872, डी0ए0पी0 का लक्ष्य 4364 व उपलब्धता 6445, एन0पी0के0 का लक्ष्य 5082 व उपलब्धता 11465, एम0ओ0पी0 का लक्ष्य 400 व उपलब्धता 2691 एवं सिंगल सुपर फास्फेट का लक्ष्य 764 व उपलब्धता 4105 है। रबी सीजन की विभिन्न फसलों जैसे- चना, मटर, मसूर, गेहूँ, सरसों, तोरिया तथा आलू की बुवाई के समय फास्फेटिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है, वर्तमान में फास्फेटिक उर्वरकों के कई विकल्प किसान भाईयों के लिये उपलब्ध है। जैसे डी0ए0पी0, एन0पी0के0, टी0एस0पी0, सिंगल सुपर फास्फेट किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि डी0ए0पी0 उर्वरक में केवल 02 पोषक तत्व जैसे नत्रजन और फास्फोरस उपलब्ध होते हैं जबकि एन0पी0के0 के विभिन्न ग्रेड के काम्प्लेक्स फर्टिलाइजर में संतुलित रूप से नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम तीनों अत्यन्त महत्वपूर्ण प्राथमिक पोषक तत्वों की उपलब्धता हो जाती है। आलू जैसी महत्वपूर्ण कमर्शियल फसल के लिये संतुलित उर्वरक विशेष रूप से पोटाश की उत्पादन एवं गुणवत्ता हेतु महत्वपूर्ण भूमिका है। उर्वरकों के संतुलित मात्रा में प्रयोग हेतु एक कृषक को प्रति है0 के आधार पर डी0ए0पी0 अधिकतम 05 बैग व यूरिया 07 बैग की मात्रा देय है। जिलेभर में के किसान भाइयों को सुगमता पूर्वक सभी रासायनिक उर्वरक निर्धारित बिक्री मूल्य पर बिना किसी अन्य उत्पाद के उपलब्ध कराये जाने के लिये जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में उर्वरक कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी जो प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 10:00 बजे से साँय 05:00 बजे तक क्रियाशील है, जिसका नम्बर 8126423416 है जिस पर कोई भी किसान उर्वरक सम्बंधी समस्या की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जनपद में कृषि विभाग के जनपद एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों व क्षेत्रीय कर्मचारियों के द्वारा नियमित रूप से भ्रमणशील रहते हुए अभी तक 612 छोपे की कार्यवाही की गयी है 123 उर्वरक नमूने भरे गये हैं 28 विक्रेताओं को कारण बताओं नोटिस जारी किये गये हैं, अनियमितता पाये जाने पर 32 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किये गये हैं तथा 22 विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त किये गये हैं एवं 14 विक्रेताओं की बिक्री प्रतिबंधित की गयी है और 01 बिक्री केन्द्र को सील बन्द किया गया।

वन विभाग के छापे से मचा न्यूरिया में मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच /मोहम्मद सलीम/ मुखबिर सूचना पर सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार डीके ने न्यूरिया लकड़ी प्लांटों पर मारा छापा। न्यूरिया पीलीभीत बसस्टैंड के पास चल रहे लकड़ी के प्लांटों पर अवैध लकड़ी पड़ी होने की सूचना पर सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार डीके ने छापा मार कार्रवाई की छापे के दौरान लकड़ी के काम करने वालों में खलबली मच गई। मुखबिर ने वन विभाग के आला अफसरों को सूचना दी कि न्यूरिया के लकड़ी के प्लांटों में पहुंचे और देखकर कागजात चेक किए जो सही पाए गए परन्तु प्लाट के लाइसेंस में कुछ कमियां पाई



डीएफओ भरत कुमार डीके, डिप्टी रेंजर शेर सिंह, वन दरोगा नवीन सिंह बोरा न्यूरिया के लकड़ी के प्लांटों में पहुंचे और प्लांटों में पड़ी लकड़ी को देखकर कागजात चेक किए जो सही पाए गए परन्तु प्लाट के लाइसेंस में कुछ कमियां पाई

डीएम निधि गुप्त वत्स और एसपी अमित कुमार आनंद ने तिगरी गंगा मेले की तैयारियों का लिया जायजा, सुरक्षा व व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश।

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक / अमरोहा/ उत्तर प्रदेश। आगामी ऐतिहासिक राजकीय तिगरी गंगा



मेला को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी निधि गुप्त वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गंगा घाट, पार्किंग स्थल, रूट डायवर्जन और यातायात व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। डीएम ने अधिकारियों को घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल व चिकित्सा सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, वहीं एसपी ने सुरक्षा दृष्टि से पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी सुनिश्चित करने के आदेश दिए। अधिकारियों ने कहा कि तिगरी मेला धार्मिक आस्था से जुड़ा विशाल आयोजन है, इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, क्षेत्राधिकारीगण और अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

दिव्यांग भाई की पेंशन से पति-पत्नी पीते थे शराब, इस बार न दिए रुपये तो मार डाला; पूरा परिवार है नशे का लती

गोरखपुर में दिव्यांग रामनिवास की पेंशन की रकम को उसका छोटा भाई अमरजीत निषाद और उसकी पत्नी श्यामरथी देवी शराब पीने में खर्च करते थे। दोनों शराब के लती थे। यह पर्दाफाश राम निवास पृच्छाछ में हुआ है। गोरखपुर के खोराबार थाना क्षेत्र के निषाद (45) की हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को पिता गणपति निषाद ने दिव्यांग पेंशन खर्च करने से नाराज हुए छोटे बेटे अमरजीत निषाद और उसकी पत्नी श्यामरथी ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।मृतक के उनका बड़ा बेटा रामनिवास शादीशुदा था लेकिन उसकी में मजदूरी करता था। उसे दिव्यांग पेंशन भी मिलती थी। भाई अमरजीत को देता था, जिससे उनका खर्च चलता श्यामरथी देवी अक्सर शराब पीकर परिवार के लोगों से से अलग मकान में रह रहे थे। आरोप है कि 22 अक्टूबर पिटाई की और शाम को फिर शराब के नशे में मारपीट कर जब ग्रामीणों की मदद से दरवाजा खोला गया तो रामनिवास पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया



गोरखपुर में दिव्यांग रामनिवास की पेंशन की रकम को उसका छोटा भाई अमरजीत निषाद और उसकी पत्नी श्यामरथी देवी शराब पीने में खर्च करते थे। दोनों शराब के लती थे। यह पर्दाफाश राम निवास की हत्या में गिरफ्त में आए छोटे भाई ने पुलिस की पूछताछ में हुआ है। आरोपी बने छोटा भाई और उसकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसने खुद के रुपये खर्च कर राम निवास का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाया था। भाई ने वादा किया था कि पेंशन की आधी रकम वह मुझे देगा, लेकिन इस बार वह सारा रुपये खुद खर्च कर रहा था। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह से ही राम निवास से विवाद चल रहा था। उधर, पिता गणपति ने बताया कि बुधवार को उसके छोटे बेटे और उसकी पत्नी ने घर के पास बने बांध पर रामनिवास की पिटाई कर रहे थे तो कुछ ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। लेकिन दोनों ने उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में पति-पत्नी घायल रामनिवास को घर के अंदर ले जाकर बंद कर दिए। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें गाली दी और धमकी दी कि आज तुम दोनों को भी जान से मार देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि देर शाम गाली गलौज करने पर वह पत्नी के साथ उसकी लाठी डंडों से पिटाई कर दी थी। इसके बाद दोनों ने देर रात रामनिवास की हत्या कर दी। अगले दिन सुबह अमरजीत घर से भाग गया। हालांकि पुलिस ने उसे ग्रामीणों की मदद से दबोच लिया। पूरा परिवार है शराब का लती- सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि पूरा परिवार शराब का लती है। वारदात के दिन भी दिव्यांग राम निवास और आरोपी दंपती ने शराब पी थी। पेंशन के रुपयों को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी दंपती ने दिव्यांग राम निवास की डंडे से पिटाई कर दी थी। समय से उपचार न मिलने के चलते उसकी मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही राम निवास ने निकाला था पेंशन पिता गणपति ने बताया कि कुछ दिन पहले रामनिवास ने दिव्यांगता पेंशन से मिले 3000 रुपये बैंक से निकाला था और सारा रुपया खुद खर्च कर दिया। इस बात से नाराज होकर अमरजीत और उसकी पत्नी श्यामरथी ने उससे विवाद किया। पिता का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें भी धमकाया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। मृतक के पिता की तहरीर पर दंपती के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।- अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

जिले में कार्बाइड गन का निर्माण, ऋय-विक्रय और उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित

क्यूँ न लिखूँ सच / जिला मजिस्ट्रेट रविन्द्र कुमार चौधरी ने धारा 163 के तहत जारी किया आदेश ब्यूरो शिवपुरी। दीपावली पर्व के दौरान अवैध रूप से अत्यधिक ध्वनि करने वाले पटाखों और खतरनाक कार्बाइड गन के बढ़ते प्रचलन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री रविन्द्र कुमार चौधरी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी करते हुए जिले में कार्बाइड गन के निर्माण, भण्डारण, ऋय, विक्रय और उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि हाल के दिनों में प्रदेशभर में प्लास्टिक पाइप, लोहा, स्टील तथा कैल्शियम कार्बाइड जैसे पदार्थों से अवैध रूप से कार्बाइड गन या संशोधित पटाखे बनाए जा रहे हैं, जो अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ लोगों की आंखों और शरीर को गंभीर चोट पहुंचा रहे हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर चौधरी ने स्पष्ट किया कि दीपावली के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसे अवैध उपकरणों के उपयोग के कई वीडियो सामने आए हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए जिले में इन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि -> कोई भी व्यक्ति, संस्था या व्यापारी अब कार्बाइड गन या ऐसे ही विस्फोटक उपकरणों का निर्माण, भण्डारण, ऋय-विक्रय या उपयोग नहीं करेगा। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 एवं अन्य प्रासंगिक अधिनियमों के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे अवैध पटाखों का प्रयोग न करें, और यदि कहीं इस तरह की गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस या जिला प्रशासन को सूचित करें।



अनपढ़ पत्रकार अपने लाभ के लिए करते हैं पत्रकारिता , खनन कारोबार भी उनकी सह पर ही रहा फल-फूल ।

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक /अमरोहा/ उत्तर प्रदेश। हसनपुर तहसील क्षेत्र ओर सैद नगली के आस पास कुछ गांव में पत्रकारिता की साख इन दिनों सवालोंने के घेरे में है। कभी समाज की आवाज़ और व्यवस्था का दर्पण रही पत्रकारिता अब कुछ अनपढ़ और अवसरवादी लोगों के कारण बदनाम होती जा रही है। इन कथित पत्रकारों ने पत्रकारिता को जनसेवा नहीं, बल्कि निजी लाभ का साधन बना लिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सैद नगली क्षेत्र में कुछ ऐसे लोग खुद को पत्रकार बताते हैं, जिनका न तो किसी मीडिया संस्थान से संबंध है और न ही पत्रकारिता की समझ। शिक्षा से भी इनका कोई वास्ता नहीं है। इनका ध्यान केवल सैंटिंग और उगाही तक सीमित है। सूत्रों के मुताबिक, क्षेत्र में चल रहे कई अवैध खनन कार्य ऐसे ही कुछ लोगों की पत्रकारिता की ढाल में फल-फूल रहे हैं। रात के अंधेरे में फोन पर दबाव बनाने और पैसे की मांग जैसी शिकायतें आम हो चुकी हैं। ठेकेदारों और व्यापारियों का कहना है कि कुछ तथाकथित पत्रकार खुद को बड़े अखबारों का प्रतिनिधि बताकर मनमानी करते हैं। जब भी कहीं मिट्टी का खनन या निर्माण कार्य शुरू होता है, तो खबर छापने के बजाय ये लोग लाभ लेने में जुट जाते हैं। जनता ने व्यंग्य करते हुए कहा कि अगर मोबाइल में न्यूज़ ऐप न हों, तो इन्हें खबर लिखना भी नहीं आए। क्षेत्र के कुछ नामी-गिरामी और शिक्षित पत्रकारों ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि कुछ गैर-जिम्मेदार लोगों की वजह से सच्चे और ईमानदार पत्रकारों की मेहनत पर दाग लग रहा है। शिक्षित पत्रकारों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे सभी अनपढ़ और फर्जी पत्रकारों की जांच की जाए, जो पत्रकारिता के नाम पर खनन कारोबार और निजी स्वार्थ साध रहे हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सच्चे, ईमानदार और योग्य पत्रकारों की गरिमा और विश्वसनीयता बनी रहे, जो आज भी समाज की सच्चाई को निडरता से सामने लाने का काम कर रहे हैं।



संक्षिप्त समाचार

पीलीभीत जहानाबाद बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर बाइक की टक्कर से नाबालिग अर्पित गंभीर घायल , ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया ।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत जनपद के थाना जहानाबाद क्षेत्र में बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे



अर्पित पुत्र महेंद्र पाल सड़क पार कर रहा था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अर्पित कई फीट दूर उछल गया और सड़क पर गिर पड़ा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया, सिर और पैरों में चोटें आईं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और अर्पित को जिला अस्पताल पीलीभीत पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत गंभीर है, जहां प्राथमिक उपचार के बाद आगे इलाज जारी है। बाइक सवार मौके से भाग गया, जिसकी पहचान के प्रयास पुलिस कर रही है। सूचना पर थाना जहानाबाद पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे से हाईवे पर कुछ देर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन ट्रैफिक बहाल हो गया। अर्पित स्कूल जाने वाला नाबालिग है, और यह घटना हाईवे पर पैदल चलने वालों की असुरक्षा को फिर उजागर करती है। परिवार वाले सदमे में हैं, और इलाज के लिए चिंतित हैं। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पूरनपुर सोने के कुंडल लूट की वारदात का पुलिस ने किया खुलासा , आरोपी संतराम गिरफ्तार; मोटरसाइकिल बरामद ।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत जिले में अपराधियों की गिरफ्तारी और रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी पूरनपुर के कुशल नेतृत्व में थाना पूरनपुर पुलिस ने संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों की चेकिंग और वांछित अपराधियों की तलाश के क्रम में महत्वपूर्ण कार्रवाई की। 14 अक्टूबर को थाना पूरनपुर पर पंजीकृत एक लूट के मामले (बनाम अज्ञात) में मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस ने आरोपी संतराम निवासी ग्राम चन्दोखा, अजीतपुर बिल्हा, थाना घुंघचाई को गिरफ्तार किया। संतराम ने घाटमुपुर से गोपालपुर जाने वाले रास्ते पर हुई लूट की घटना को अंजाम दिया था, जिसमें पीड़ित के सोने के कुंडल छीन लिए गए थे। साथ ही, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस भी बरामद कर ली गई। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया।



खेत गई महिला पर बाघ ने किया हमला... ग्रामीणों ने बचाई जान, एक घंटे तक दहाड़ता रहा आदमखोर

बहराइच में खेत गई महिला पर बाघ ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों ने किसी तरह उसकी जान बचाई और अस्पताल पहुंचाया। उधर, आदमखोर बाघ एक घंटे तक वहीं खेत में दहाड़ता रहा। यूपी के बहराइच में शुक्रवार की सुबह बाघ ने महिला पर हमला कर दिया। चीख सुनकर भागे ग्रामीणों ने किसी तरह महिला की जान तो बचाई। गंभीर रूप से घायल महिला को सीएचसी लेकर गए। हालत नाजुक होने पर उसे वहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। उधर, बाघ एक घंटे तक खेत में दहाड़ता रहा। घटना धर्मापुर रेंज के हरखापुर तिरमुहानी गांव की है। गांव निवासी कुशेश बानो (40) पत्नी निजामुद्दीन सुबह गांव किनारे खेत में मवेशियों का गोबर इकट्ठा कर रही थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने उस पर हमला कर दिया। चीख सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण दौड़े और शोर मचाने लगे। भीड़ देखकर बाघ महिला को छोड़कर गन्ने के खेत की ओर चला गया। विज्ञापनग्रामीणों ने घायल महिला को किसी तरह बचाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। भर्ती महिला की हालत काफी नाजुक है। गांव के लोगों ने बताया कि हमले के बाद एक घंटे तक बाघ खेत में इधर उधर घूमता रहा और दहाड़ता रहा। उसकी दहाड़ से गांव में दहशत का माहौल रहा। एक महीने में तीसरी बार किया हमला ग्रामीणों ने बताया कि एक महीने में बाघ का यह तीसरा हमला है। करीब 20 दिन पहले इसी इलाके में एक युवक को अपना शिकार बनाया था।

जूडवनिया गांव में हाथियों का आतंक , दलित किशोर चाचा संग मना रहा था बर्थडे, दबंगों ने पीटा , किसानों की फसल चौपट – वन विभाग अस्पताल में हुई मौत; CM योगी ने परिवार से की बात की टीम ने रातभर की निगरानी की

क्यूँ न लिखूँ सच /बिहारपुर। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महुली बीट के जूडवनिया गांव में बीती रात जंगली हाथियों का कहर देखने को मिला। करीब 15 हाथियों का दल गांव में घुस आया और कई किसानों की धान की फसल को रौंदकर पूरी तरह चौपट कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी लगातार खेतों में नुकसान पहुंचा रहे हैं जिससे उनकी पूरी सालभर की मेहनत बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का दल शाम ढलते ही गांव की ओर बढ़ आता है और सुबह तक खेतों में डेरा जमाए रहता है। इससे किसान न तो खेत की रखवाली कर पा रहे हैं और न ही अपने परिवार के साथ चैन से रह पा रहे हैं। लगातार समाचार प्रकाशित होने के बाद वन विभाग बिहारपुर एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क की टीम हरकत में आई। रेंजर और वनकर्मियों की टीम ने देर रात तक गांव और आसपास के जंगलों में निगरानी अभियान चलाया। टीम टॉर्च और सर्च लाइट की मदद से हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथियों के मूवमेंट पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और नुकसान का सर्वे कर किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों को गांव से दूर भगाने के लिए ठोस व्यवस्था की जाए, ताकि आने वाले दिनों में फसलों और जान-माल का नुकसान रोका जा सके।

जेलर साहब बने मुस्कान के भाई, भाईदूज पर लगवाया टीका और दिया ये गिफ्ट, तो भर आई आंखें

अपने पति सौरभ की हत्या में जेल में बंद मुस्कान ने भाईदूज मनाया। जिन बहनों के भाई नहीं आ सके, उन्होंने वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा को तिलक किया। सभी को 500 रुपये का कैंटीन से खाने का कूपन दिया गया। चौधरी चरण सिंह जिला कारागार में बंद महिलाओं ने भाईदूज पर अपने भाई को तिलक किया। जिनके भाई जेल नहीं आ सके, उन्होंने वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा को तिलक किया। उपहार के रूप में 500 रुपये का कूपन दिया गया। इससे महिला बंदी कैंटीन में खाना खा सकती हैं। अपने पति सौरभ की हत्या के मामले में जेल में बंद मुस्कान ने भी वरिष्ठ जेल अधीक्षक को तिलक किया। उसके घर से कोई नहीं पहुंचा। इसके अलावा जेल में बंद भाइयों से भी बहन तिलक कराने के लिए पहुंची। डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह छह बजे से जेल में बहनों का आना शुरू हो गया था। जिन बहनों के भाई जेल में बंद हैं, उनके भाई भी पहुंचे और उन्होंने तिलक कराया। इसके बाद मिठाई भाई को खिलाई।

बैजनपाठ के जंगलों में मिला मध्य पाषाण कालीन शैल चित्र, पुरातत्व विभाग के लिए शोध का बड़ा केंद्र बन सकता है यह क्षेत्र

क्यूँ न लिखूँ सच /बिहारपुर/ छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग का सुदूर वनांचल क्षेत्र बैजनपाठ एक बार फिर सुर्खियों में है। ग्राम पंचायत खोहिर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ में मध्य पाषाण कालीन युग (लगभग 10 हजार वर्ष पूर्व) के शैल चित्र मिलने से उजागर हुआ है। यह खोज न केवल स्थानीय इतिहास लिए भी एक महत्वपूर्ण विषय बन सकती है। स्थानीय चोंगो पहाड़ी गुफा, निफार माड़ा गुफा और बघोर गुफा मनुष्य, जानवर, शिकार के दृश्य, तथा अन्य प्रतीकात्मक उस युग के आदिम मनुष्य की जीवनशैली, सामाजिक का मिला अवशेष – रहस्यों से घिरी गुफा- निफार है, जो उस समय की धातुकला और आभूषण निर्माण कंगन संभवतः किसी महिला का रहा होगा जो गुफा में यह खोज उस समय के मानव जीवन की एक झलक गुफाओं को अपना आश्रय बनाते थे। रहस्यमयी ज़र्मींदोज और चमत्कारिक पहलू है – गांव के एक हिस्से में है, परंतु यह ज्ञात नहीं कि वह पानी कहाँ जाकर निकलता लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। वैज्ञानिक दृष्टि से परिणाम हो सकता है। सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण राज्य सरकार एवं पुरातत्व विभाग से आग्रह किया है मिले शैल चित्रों और अवशेषों का संरक्षण हो सके।

किया जाए, तो बैजनपाठ छत्तीसगढ़ का अगला ऐतिहासिक पर्यटन स्थल बन सकता है। तिहासकारों का कहना है कि सरगुजा संभाग का यह इलाका पूर्व से ही रामगढ़, सीता लेखनी, और अन्य पुरातात्विक स्थलों की खोजों के लिए प्रसिद्ध रहा है। बैजनपाठ की यह नई खोज उस विरासत में एक और अनमोल अध्याय जोड़ती है।

जब तक सूरज के हत्यारों को सजा नहीं मिलती कमांडो चुप नहीं बैठेगा ये है कमांडो का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक / हत्यारे ने बुझा दिया मोहन लाल मिश्रा का इकलौता चिराग इस दुनिया से डूबा दिया 27 वर्षीय सूरज दिल दहला देने वाली इस घटना से जन जन में आक्रोष है जनता का कहना है की जाति चाहे कोई हो धर्म चाहे जो हो जब जब किसी के ऊपर अत्याचार और अन्याय हुआ है तब तब ये ब्राह्मण कुल में जन्मे ब्राह्मण शेर कमांडो अरुण गौतम ने जम कर मुकाबला किया है छ ऐसी बैठेगा। अरुण गौतम- एक अकेली आवाज़ जो ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। लेकिन इस दर्दनाक सन्नाटा नेताओं का, सन्नाटा जनप्रतिनिधियों का, सूरज की हत्या हुई, तब न कोई विधायक आया, प्रदेश के मुखिया। लेकिन एक नाम था जो इस एक कमांडो नहीं हैं। वह एक संवेदनशील नागरिक की खबर मिलते ही उन्होंने न केवल घटना स्थल शिकायत दर्ज कराई। यह कदम सिर्फ कानूनी नागरिक का धर्म है। यह विडंबना ही है कि जब नहीं हिचकिचाते। लेकिन जब सूरज जैसे युवक जैसे वरिष्ठ नेता, जो ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि पर भाषण देने तक सीमित रह गया है? सीधी की रीति पाठक, जो खुद ब्राह्मण समाज से आती हैं, चुप रहे? और प्रदेश के मुखिया, जिनसे न्याय की उम्मीद थी, उन्होंने इस घटना को नजरअंदाज क्यों किया? जनता यह भी कह रही है कि क्या यह चुप्पी जातिवाद नहीं है? क्या सूरज की हत्या पर प्रतिक्रिया न देना, एक वर्ग विशेष की उपेक्षा नहीं है? अरुण गौतम की पहचान सिर्फ एक ब्राह्मण युवक के लिए आवाज़ उठाने तक सीमित नहीं है। वह हर उस व्यक्ति के लिए खड़े होते हैं जो अन्याय का शिकार होता है। उनकी संवेदना गरीबों के लिए है, वंचितों के लिए है, और उन लोगों के लिए है जिनकी आवाज़ अक्सर दबा दी जाती है। उनका साहस, उनकी तत्परता और उनका सामाजिक दृष्टिकोण उन्हें एक मसीहा बनाता है-एक ऐसा मसीहा जो न तो पद का भूखा है, न प्रचार का। वह सिर्फ न्याय चाहता है। मैं मानता हूँ कि कमांडो अरुण गौतम त्योंथर क्षेत्र के गरीब लोगों को लिए एक मसीहा बनकर उभरे है लेकिन उनका समर्थन सोशल मीडिया में ज्यादा इसलिए नहीं दिखात क्योंकि गरीब लोग सोशल मीडिया का उपयोग न के बराबर करते है लेकिन क्षेत्र के गरीब और बेसहारा लोग ही कहते है जब भगवान भी नहीं सुनता हमारी विनती तो सिर्फ एक आदमी है जो आधी रात को हमारी आवाज सुनता है और मदद के लिए दौड़ा चला आता है। वो है कमांडो अरुण गौतम।



क्षेत्र का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व एक बार फिर को नई पहचान देती है बल्कि पुरातत्व के शोधार्थियों के ग्रामीणों के अनुसार, बैजनपाठ के अधियारी छानी गुफा, में लाल रंग से बनाई गई चित्रकारी मिली है। इन चित्रों में आकृतियाँ शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कला व्यवस्था और धार्मिक विश्वासों को दर्शाती है। प्राचीन कंगन माड़ा गुफा में खुदाई के दौरान एक पुराना कंगन भी मिला की समझ का संकेत देता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह निवास करती थी या जंगली जानवर का शिकार बनी होगी। प्रस्तुत करती है जब लोग प्राकृतिक खतरों से बचने के लिए – वैज्ञानिकों के लिए पहली बना स्थल बैजनपाठ का एक बरसात का पानी एक स्थान पर जमीन के भीतर समा जाता है। यह रहस्यमयी स्थल वर्षों से स्थानीय निवासियों के यह भूगर्भीय संरचना या प्राकृतिक भूमिगत जलमार्ग का की उठी मांग स्थानीय बुद्धिजीवियों और जनप्रतिनिधियों ने कि इस क्षेत्र का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया जाए ताकि यहां विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसे संरक्षित कर विकसित



किशोर की अस्पताल में मौत के बाद थाने में मौजूद उनके परिजन से क्षेत्र के विधायक धीरेंद्र सिंह मिलने पहुंचे। इस दौरान धीरेंद्र सिंह ने परिजन की बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचाई। आदित्यनाथ ने किशोर दादा जुगलकिशोर से बात सांत्वना दी। साथ ही उन्हें इस कार्रवाई करते हुए पूरा न्याय भरोसा जताया।दिल्ली के अस्पताल में दलित किशोर बाद रबूपुरा के महाराणा प्रताप शुक्रवार सुबह परिजन और जाम कर दिया।रबूपुरा-झांझर साढ़े सात से साढ़े नौ बजे चौक पर जाम से वाहनों की आक्रोशित लोग हत्यारोपियों की मांग कर रहे थे। मौके पर के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम खत्म किया, इसके बाद यातायात सुचारु हो सका। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने भी पीड़ित परिवार से फोन पर बात कर इंसाफ दिलाने की बात कही है।बर्थडे पार्टी बनाने गया था अनिकेत – रबूपुरा के आंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी अनिकेत (17) पुत्र सतीश की शुक्रवार तड़के दिल्ली स्थित लोकनायक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। 15 अक्तूबर को अनिकेत का जन्मदिन था। पार्टी करने के लिए अनिकेत अपने चाचा सुमित और भाई के साथ सैय्यद का तालाब क्षेत्र में गया था। यहां पुराने झगड़े को लेकर कुछ युवकों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में अनिकेत और सुमित घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अनिकेत की गंभीर हालत देख उसे पहले जिम्स और बाद में शारदा अस्पताल रेफर किया। दो दिन बाद हालत बिगड़ने पर अनिकेत को दिल्ली के लोकनायक अस्पताल भेज दिया गया।डीसीपी ने दिया आश्वासन तो शांत हुए ग्रामीण शुक्रवार सुबह चार बजे अनिकेत ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह साढ़े सात बजे रबूपुरा के महाराणा प्रताप चौक पर रबूपुरा-झांझर रोड पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन से रोड जाम हो गई और वाहन चालक फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझने की कोशिश की लेकिन लोग टस से मस नहीं हुए। जाम और हंगामा की सूचना पर मौके पर पहुंचे डीसीपी साद मियां खान, एडीसीपी सुधीर कुमार ने ग्रामीणों को शांत कराते हुए जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जाम खोला और यातायात सुचारु हो सका। दूसरी तरफ, पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला हत्या में बदल कर भागे आरोपियों की तलाश में दबिश देनी शुरू कर दी है।सुरक्षा के लिए पीएसी की एक कंपनी तैनात दो जातियों का मामला होने और तनावपूर्ण स्थिति होने के चलते सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर पीएसी की एक कंपनी को तैनात किया गया है। साथ ही रबूपुरा, जेवर और इकोटेक-1 थाने की पुलिस को भी मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला हत्या में बदलकर आरोपियों की तलाश में दबिश डालनी शुरू कर दी है। पुलिस ने नामजद आरोपियों में से दो को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, पांच अन्य आरोपियों की धर पकड़ के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है।तनाव के बीच किशोर का हुआ अंतिम संस्कार, बड़ी संख्या में जुटे लोग- एलएनजेपी अस्पताल से पोस्टमार्टम होने के बाद किशोर के शव शाम चार बजे रबूपुरा के मोहल्ला आंबेडकर नगर लाया गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। शाम को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पीएससी, कई थानों का पुलिस बल, बसपा के नेता आदि मौजूद रहे। अंतिम संस्कार के दौरान स्थिति काफी तनावपूर्ण रही।पुलिस का बयान तनाव को देखते हुए पीएसी और पुलिस बल की क्षेत्र में तैनाती है। पुलिस की पांच टीमों आरोपियों को पकड़ने के लिए गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। –सुधीर कुमार, एडीसीपी ग्रेटर नोएडा

संक्षिप्त समाचार

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र का पहला नशामुक्त गांव बनने की ओर – ग्राम पंचायत करौटी ए के सरपंच गजमोचन सिंह की अनोखी पहल

क्यूँ न लिखूँ सच /सूरजपुर। जिले के विकासखंड ओडगी अं त र्ग त चां द नी बिहारपुर क्षेत्र की ग्राम पं चा य त करौटी ए इन दिनों एक नई और प्रेरणादायक मिसाल पेश कर रही है। पंचायत के सर पं च ग ज मो च न



सिंह ने गांव को पूरी तरह नशामुक्त बनाने की दिशा में पहला कदम उठाया है। यह पहल चांदनी बिहारपुर क्षेत्र की पहली ऐसी कोशिश है, जहां पूरे गांव को नशे से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। सरपंच गजमोचन सिंह ने नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो अभियान की शुरुआत की है और ग्रामीणों के बीच जाकर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। गजमोचन सिंह का कहना है – नशा व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को तोड़ देता है। अगर हमारा गांव नशामुक्त होगा, तो हर घर खुशहाल होगा, बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे और समाज मजबूत बनेगा। इस अभियान के तहत पंचायत में सामूहिक शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैली, और जनचर्चा आयोजित की जा रही हैं। ग्रामीण भी इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। अगर यह पहल सफल होती है, तो ग्राम पंचायत करौटी ए चांदनी बिहारपुर क्षेत्र की पहली नशामुक्त पंचायत बनकर एक प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी, जिसे आगे चलकर जिले और प्रदेश स्तर पर अपनाया जा सकता है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslslive@gmail.com

Anti-allergy medications increase dementia risk in the elderly; cases expected to triple by 2050

According to a new study, some anti-allergy medications (first-generation antihistamines) may increase the risk of dementia in older adults. The study found that elderly patients who were given higher doses of these medications hospital. Cases are projected to triple by antihistamines by doctors are at greater and 2022 in 17 hospitals in Ontario, Some anti-allergy medications have the a new study claims. Dementia is estimated number expected to nearly triple to 152.8 difficulty finding words, confusion, and delirium - An analysis published in the that elderly patients admitted to the generation antihistamines had an Journal of the American Geriatrics higher doses of first-generation experiencing delirium (a serious state of 328,140 patients, researchers from the antihistamines, such as diphenhydramine, older adults, and although these conditions such as hives and anaphylaxis, analyzed data from 328,140 patients aged hospitals in Ontario, Canada, between patients: They found that the overall admitted by physicians who prescribed higher doses of first-generation antihistamines were 41 percent more likely to experience delirium compared to patients admitted by physicians who rarely prescribed first-generation antihistamines. Delirium affects up to 50 percent of hospitalized older adults and is associated with major adverse outcomes in older adults, such as increased mortality and long-term cognitive impairment. Study author Aaron M. Drucker said, "We hope this study will raise awareness among hospital-based physicians that sedating antihistamines can be harmful. While first-generation antihistamines are indicated for histamine-mediated conditions such as hives and anaphylaxis, they may be inappropriately prescribed for non-histamine-mediated pruritic conditions such as type IV hypersensitivity reactions."



were 41% more likely to experience delirium in the 2050. Elderly individuals prescribed higher doses of risk of delirium. The analysis, conducted between 2015 Canada, included 328,140 patients aged 65 and older. potential to increase the risk of dementia in older adults, to affect more than 57.4 million people worldwide, a million cases by 2050. Early signs include memory loss, changes in mood and behavior. Increased risk of Journal of the American Geriatrics Society revealed hospital by doctors who prescribed higher doses of first-increased risk of delirium. An analysis published in the Society revealed that older patients who are prescribed antihistamines by physicians are at increased risk of confusion) while hospitalized. Analyzing data from University of Toronto stated that first-generation are among the leading causes of drug-related harm in medications are indicated for histamine-related they may be inappropriately prescribed. The team 65 and older admitted by 755 physicians across 17 2015 and 2022. The impact of antihistamines on prevalence of delirium was 34.8 percent. Patients

Do this one simple exercise daily for healthy aging; your body will remain strong even in old age.

As we age, many health problems begin to arise. Muscles and bones weaken, making it difficult to perform everyday tasks. In such a situation, a very simple exercise can help in combating the challenges of aging. Let's learn more about it. As we age, the body weakens. Exercise helps maintain body strength and also strengthens the leg muscles. Maintaining body strength and mobility becomes a major challenge with increasing age. Joint pain, muscle weakness, and balance problems become common. But a simple exercise can be very helpful in combating these challenges. Yes, a simple exercise can greatly help in keeping your body strong even in old age. We are talking about squats. Let's learn how squats can help keep the body fit and healthy as you age (Squats Benefits). Benefits of doing squats daily: Maintains leg strength - As we age, the leg muscles are the first to weaken. Doing squats strengthens the muscles of the thighs, hips, and calves. Strong legs give you the power to walk long distances, climb stairs, and perform daily tasks easily. Increases bone density - Squats are a weight-bearing exercise. It helps maintain bone density by putting pressure on the bones. This reduces the risk of diseases like osteoporosis. Improves balance and stability - The fear of falling is the biggest concern in old age. Doing squats strengthens the core muscles and improves body balance. This significantly reduces the chances of falling. Relief from joint pain - Regularly performing squats with the correct technique strengthens the knee and hip joints. It increases flexibility in the joints and helps relieve stiffness and pain. Makes everyday life easier - Strong legs and core muscles make everyday tasks, such as sitting, standing, bending, and lifting objects, easier. Improves digestion - The squat position naturally puts pressure on the abdominal muscles, which improves bowel movements and relieves problems like constipation. How to start and precautions: If you already suffer from any illness or serious joint problems, be sure to consult a doctor or physiotherapist before starting squats. How to begin: First, start with bodyweight squats without any added weight. Correct technique: Stand with your back straight and your feet shoulder-width apart. Extend your arms forward. Now slowly sit down as if you are sitting on a chair. Make sure your knees don't go beyond your toes. Sit down as comfortably as you can and then return to the starting position. Chair squats: If you have difficulty maintaining balance, practice squats while standing in front of a chair. This will prevent you from falling. Gradually increase the number of sets: Initially, do only 5-8 squats and then gradually increase the number.



Choose any of these hairstyles for your engagement, and you'll look more beautiful than a fairy!

If your engagement is coming up soon, choosing a beautiful hairstyle is crucial. You can try some of these hairstyles. Open hair with fresh flowers gives a natural look, while the passa and maang tikka front hairstyle enhances traditional Straight open hair with a French braid, wavy hair with a French braid complete a modern and elegant with a passa and maang tikka; a pearl-studded is the most special moment in every girl's life. On this such a situation, along with clothes, makeup, and engagement and wedding are coming up soon, some you. Let's learn about them: Straight hair with fresh your look not only fresh but also natural and attractive. ceremonies. Passa and Maang Tikka Front Hairstyle traditional and glamorous. It gives your face a delicate and perfect on your engagement day. Braided Crown look that styles your open hair into a beautiful design. outfits. Wavy Front Hairstyle for Open Hair - Styling and soft look that enhances the beauty of your face. gets a light volume and depth. This style looks modern, French Braid - Adding a French braid to one side of straight, open hair makes this look elegant and classy. Wavy Hair Adorned with Pearls - Adding small pearls or jewelry to wavy hair creates a dreamy look that also looks stunning in engagement photoshoots. Open Hair with Maang Tikka - Wearing a maang tikka with straight, open hair makes this look classy, ??trendy, and grand. It's perfect if you want a slightly modern look with a traditional touch. Ponytail with Pearls - Creating a light ponytail with open hair and decorating it with pearls or stone clips is a fantastic and trendy option. It gives you a perfect balance, where you look both simple and stylish. Open Straight Hair Hairstyle with French Braid - Creating a light French braid on the side of straight, open hair is stylish and very attractive. This look is perfect with every dress and gives a completely elegant feel.



beauty. The braided crown style gives a princess-like feel. adorned with pearls, a pearl-studded ponytail, and hair styled look. Give straight hair a touch of fresh flowers; style the front ponytail is a trendy option. The engagement and wedding day day, every girl wants to look her best and most beautiful. In jewelry, a stunning hairstyle also adds to your look. If your of the latest cute hairstyles mentioned here will be perfect for flowers - A light touch of fresh flowers in straight hair makes This is especially perfect for outdoor engagement or wedding - This look of open hair with a passa and maang tikka is and stunning frame and makes you look incredibly beautiful with Open Hair - A braided crown is a very stylish and royal This look also goes very well with gowns or Indo-Western open hair by creating light waves in the front gives a romantic Layered Open Hair Hairstyle - In a layered haircut, open hair simple, and incredibly soft. Open Straight Hair Hairstyle with



Shah Rukh Khan was the first choice for the movie 'Company', but Ajay Devgn replaced him for this reason.

Ajay Devgn's portrayal of Malik in Ram Gopal Varma's 2002 film 'Company' was highly appreciated, but you might not know that Shah Rukh Khan was initially chosen for this role before Ajay. The director revealed why he replaced Shah Rukh with Ajay in the film. Ajay Devgn played a gangster in the movie. Ram Gopal Varma directed the film. Shah Rukh was supposed to play Malik in Company. Released in 2002, 'Company' is considered one of the best films of Ajay Devgn's career. In the film, the actor played the role of a gangster and was highly praised for his performance. But did you know that before Ajay Devgn, Shah Rukh Khan was chosen for the Ram Gopal Varma-directed film 'Company'? Yes, Shah Rukh Khan was the first choice for the role of Malik in 'Company'. This was revealed by the film's director, Ram Gopal Varma himself. He said that he had even discussed the story with Shah Rukh, and he had agreed to do it. Shah Rukh was the first choice for the movie 'Company'. In a conversation with Siddharth Kannan, Ram Gopal Varma revealed that he had met Shah Rukh for the movie 'Company', and he was interested in doing the film. But as soon as he left the meeting with him, he realized that this character was not meant for him. According to the director, "My first thought was to cast Shah Rukh Khan. I went to him and narrated the story, and he was also interested in it. But somewhere I felt that Shah Rukh's natural body language is very energetic; he is like a live wire. The idea of ??Malik's character was that of a calm, relaxed, and cool-headed person. I felt that Shah Rukh's natural energy would go against this. Making Shah Rukh appear calm would be unfair to both him and the film." Why was Ajay Devgn cast? Ram Gopal Varma revealed that as soon as he left his meeting with Shah Rukh Khan, he spoke to Ajay Devgn about the film and decided to cast him. He said, "I think there's a performing actor and then there's an actor. I'm not saying one is better than the other, it's just a different style of acting. A man like Shah Rukh should be left to his own devices. I think any director who tries to fit him into a different kind of character will fail, but Ajay was naturally right for that role; he's very calm. That's when I decided to cast Ajay." Ram Gopal Varma also revealed that Abhishek Bachchan was initially considered for Vivek Oberoi's role in Company, but he couldn't do the film due to date issues. Besides Ajay Devgn, the gangster drama also featured Mohanlal, Vivek Oberoi, Manisha Koirala, Antara Mali, and Seema Biswas in pivotal

roles.

Sridevi's sister is many times more beautiful than her, but their relationship ended due to greed for money.

Sridevi was called "Bollywood's first female superstar." She acted in over 300 films and is considered one of the most successful actresses in Indian cinema. She was widely discussed for her beauty as well as her talent. Rajesh this title went to a woman who industry. We are talking about the tragically passed away in 2018, but Hema Malini were at the peak of record of acting in more than 300 Sridevi's family, everyone knows and children Janhvi Kapoor and family. Especially, very few people Sridevi's sister, Srilatha, about did Sridevi and her sister have a Sridevi and Srilatha occurred after was admitted to the hospital and died due to her illness. After her received compensation of - According to media reports, which soured the relationship case against Sridevi in ??court to get as her share. The two sisters, who never reconciled even after Sridevi's death. Boney Kapoor allegedly tried to bring the two sisters together, but after Sridevi's death, Srilatha did not even attend the prayer meeting held for her in Chennai.



Khanna was called India's first superstar, but after him, emerged as the biggest female superstar of the film beautiful actress Sridevi. Who is Sridevi's sister? - Sridevi she still lives in the hearts of her fans. When Rekha and their careers, Sridevi made a splash and recorded a films, most of which were superhits. Talking about that her family includes her husband Boney Kapoor Khushi Kapoor. Little is known about Sridevi's maternal know about her siblings. Today, we will learn about whom there is a lot of information in the media. Why falling out? - According to reports, the first rift between their mother's death in 1996. When Sridevi's mother underwent surgery, she lost her memory and eventually death, Sridevi filed a complaint against the hospital and approximately 7.2 crore rupees. The dispute over money Sridevi kept the entire compensation amount for herself, between the two sisters. Following this, Srilatha filed a her share. She won the case and received 2 crore rupees had become estranged due to this incident, reportedly

The film received overwhelming love from fans, hitting it out of the park on its third day, giving 'Thank God' tough competition.

Harshvardhan Rane's film 'Ek Deewane Ki Deewaniyat' had a strong start at the box office. The film is giving tough competition to Ayushmann Khurrana's 'Thank God'. Looking at the current numbers, it seems the movie will What was the third-day collection? a trend of lighthearted stories. A light lover is being embraced by the audience. further strengthened this trend. Actor in this genre, has proven this with his returns to the big screen after years - Bajwa starrer 'Ek Deewane Ki on October 21st, coinciding with Diwali. since 'Sanam Teri Kasam', the actor charge of its promotion, appealing to it faced direct competition from Rashmika Mandanna's 'Thank God', Deewane Ki Deewaniyat' seems to be producer of the film. The musical Rane was reportedly made on a budget ???????? (explosive) start on the first day, box office. The makers themselves shared Milap Zaveri is continuously gaining social media. What was the film's film's score was 8.88 crore rupees. Due getting a huge benefit, and especially Gen Z is connecting with this film quite well. The film's story is about a heartbroken lover who tries every way to win over his beloved through unrequited love. Thus, the film's total collection for the first two days stands at ?18.98 crore. According to Sacnilk, the collection for the third day has also been released. On the third day, the film has collected ?4.32 crore so far. Based on this, the film has almost recovered its budget in just three days. Adding the third day's collection, the film's total collection is now around ?23 crore. What is the film's story? - 'Ek Deewane Ki Deewaniyat' is a love story of a politician, Vikramaditya, who falls madly in love with a free-spirited actress, Ada. This deepening love soon gets entangled in Vikramaditya's obsession. To find out what happens next in the story, you will have to watch the film.



do even better in the coming days. Bollywood is currently experiencing romantic musical film about a devoted 'Ek Deewane Ki Deewaniyat' has Harshvardhan Rane, who is a master latest film. Harshvardhan Rane Harshvardhan Rane and Sonam Deewaniyat' was released in theaters After a long gap of almost 9 years returned to the big screen and took people to watch the film. In theaters, Ayushmann Khurrana and which is a big-budget film, but 'Ek outperforming it. Milap Zaveri is the romantic film starring Harshvardhan of 25 to 30 crore rupees. It had a opening with 10.10 crore rupees at the this on their social media. This film by popularity among the audience and on collection? - On the second day, the to the Diwali weekend, the film is